जैविक उत्पादक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

क्र.सं.	विषय	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक
1.	**परिचय** • जैविक खेती का परिचय • जैविक खेती का उद्देश्य, • जैविक खेती का क्षेत्र • जैविक खेती समझ व सिद्धान्त • शुद्ध जैविक खेती व समेकित जैविक खेती • जलवायु परिवर्तन का प्रभाव	05	-
2.	**जैविक खेती की तैयारी** • खेत का चुनाव • फसल का चुनाव • प्रभेद का चुनाव • फसल चक्र, अन्तरवर्ति खेती, मिलवा खेती • रिले क्रापिंग, गार्ड क्रापिंग • कम से कम भूपरिष्कारण	10	10
3.	**जैविक विधि से बीज का चूनाव व प्रचार** • बीज का चुनाव • बीज के प्रकार • बीज की गुणवत्ता • बीज उपचार जैविक विधि (बिजामृत) से • बीज शैय्या की तैयारी • रोग रोधी किस्म	10	10
4.	**जैविक खेती में पोषक तत्व का प्रबंधन** • फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश • हरी खाद, हरी पत्ते की खाद • एफ वाई एम (FYM), केंचुआ खाद • कम्पोस्ट, बायो गैस सलरी • न खाने योग्य खली का प्रयोग खेत में • मुर्गी की खाद, अजोला, ब्लूग्रीन ऐल्गी • बायो फर्टीलाइजर (राइजोबियम, एजेटोबैक्टर, एजोस्परलम, PSB, माइकोराइजा, KSB, Z_nSB, आदि) • बीज उपचार बायो फर्टीलाइजर द्वारा • कृषि उत्पाद अवशेष का प्रबन्धन • पशु व पक्षी के अवशेष का प्रबन्धन • सस्य गव्य व पंचगव्य	10	10

5.	**जैविक खेती में खरपतवार का प्रबन्धन** • फसल चक्र के द्वारा • निकाई गुड़ाई के द्वारा • अन्तरवर्ती खेती के द्वारा • मल्चींग के द्वारा • स्वायल सोलराइजेशन के द्वारा • गहरी जुताई के द्वारा • सही जगह पर जैविक खाद का प्रयोग द्वारा • जल का उपयोग द्वारा • जैविक विधि से खरपतवार का नियंत्रण • भूमि का कम से कम उपरदन द्वारा • ऊँची नाली के ऊपर फसल को लगाना	05	10
6.	**सिंचाई प्रबन्धन** • एक-एक बूंद से अधिक उपज प्राप्त करना • ड्रिप एरिगेशन (टपक विधि) से सिंचाई करना • अच्छे स्तर के जल से सिंचाई करना • जीरो टिलेज से ज्यादा से ज्यादा फसल लगाना • ऊँची क्यारी गहरी नाली से खेती करना • मल्चिंग से ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करना • फसल के जड़ तक पानी बूँद बूँद विधि (ड्रीप) से पानी को पहुँचाना	05	10
7.	**समन्वीत कीट व रोग प्रबन्धन** • गर्मी में गहरी जोताई के द्वारा कीट व रोग का नियंत्रण • स्वायल सोलराइजेशन द्वारा रोगों का नियंत्रण • फसल चक्र के द्वारा कीट व रोगों का नियंत्रण • सघन खेती, मिलवा खेती, गार्ड खेती द्वारा • रोग अवरोधी किस्मों को लगा कर • बीज उपचार बीजामृत के द्वारा • रोग ग्रस्त पौधों को निकाल करक • जैव कीट नाशक : ट्राइकोडर्मा, पेसिडियोमोनास • वेवियाना वेसियाना, मेर्थाजियम, नोप्यूरा तथा • वर्टीशिलियम द्वारा • जैव कीटनाशक घोल : दसपर्णी सत, नीम पत्ती का सत् आदि • वाटनीकल पेस्टीसाइड : नीम, करंज के द्वारा फेरोमोन ट्रेप के द्वारा • मृदा, छाछ, वटर, छेना पानी द्वारा • पीला व निला कार्ड के द्वारा • प्रकाश प्रपन्च द्वारा • लहसून, तम्बाकू, सत् के द्वारा	10	20

8.	**जैविक खेती में फसल की कटाई तथा भण्डारण** • फसल की कटाई के समय फसल की परिपक्वता व नमी की मात्रा • फसल की कटाई के दौरान फसल की स्थिति • फसल कटाई की विधि व कटे फसल की रख-रखाव • कटाई-दवाई उपरान्त उत्पाद का छटाई जैविक विधि से भण्डारण, धूपन, शीत भण्डारण, पैकिंग व बाजार में बिक्री करना।	05	10
9.	**जैविक खेती का प्रमाणीकरण व गुणवत्ता का आश्वासन** • जैविक खेती में तृतीय पक्ष का प्रमाणीकरण प्रक्रिया • जोखिम प्रबन्धन व मानक का अनुपालन • सहयोगिता जैविक प्रतिभूति प्रणाली व तृतीय पक्ष का प्रलेखन और पी.जी.एस. प्रमाणीकरण • जैविक उत्पाद की बिक्री तथा बिक्री का क्षेत्र का पता लगाना	10	20
10.	**जैविक खेती का व्यवसाय** • जैविक खेती अर्थशास्त्र (आय-व्यय) • बाजार से उत्पाद को जोड़ना • प्रत्यक्ष विपणन (सीधा सम्पर्क)	10	10
11.	**कार्यक्षेत्र स्थल पर स्वास्थ व सुरक्षा को बनाये रखना** • सामान्य सुरक्षा के नियम • विभिन्न स्वास्थ कार्यस्थल में बुनियादी व प्राथमिक चिकित्सा के लिए प्रसंगिक खतरे का ज्ञान प्राप्त करना व प्रशिक्षण प्राप्त करना। • खतरे से पहले सामान्य सुरक्षा नियम को समझ लें। • उपकरणों, सामग्री सुरक्षा की सही ढंग से पहचान व सुरक्षित उपयोग करना • कार्यस्थल व अन्य क्षेत्र पर आपतकालीन स्थिति को ठीक ढंग से संभालना	05	05
	कुल घंटे	**85**	**115**